भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
22.07.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 630 का उत्तर

कर्नाटक में रेल परियोजनाओं के लिए निधि का आबंटन

630. श्री गोविन्द मकथप्पा कारजोल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में और विशेषकर कर्नाटक में, पिछले पांच वर्षों के दौरान क्रियान्वित की जा रही नई रेल लाइनों, दोहरीकरण, आमान परिवर्तन, विद्युतीकरण, स्टेशन पुनर्विकास और अन्य रेल अवसंरचना परियोजनाओं का परियोजना-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इन परियोजनाओं के लिए आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि का वर्ष-वार और परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रत्येक परियोजना की भौतिक और वित्तीय प्रगति, पूर्ण होने की अपेक्षित तिथि सहित वर्तमान स्थिति क्या है और यदि इसमें कोई विलंब हुआ है तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान पूर्ण की गई और जनता को समर्पित की गई परियोजनाओं का जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ.) लंबित रेल परियोजनाओं में तेजी लाने तथा कर्नाटक में रेल कनेक्टिविटी, यात्री सुविधाओं और माल ढुलाई अवसंरचना को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेलों के अनुसार किया जाता है न की राज्य-वार/जिला-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/जिला की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

भारतीय रेल में नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए गए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	36,429 कि.मी.	8.32 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 2 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 40,000 किलोमीटर कुल लंबाई की 514 परियोजनाएं (169 नई लाइनें, 29 आमान परिवर्तन और 316 दोहरीकरण) जिनकी लागत लगभग 8.31 लाख करोड़ रु. है, स्वीकृत की गई हैं। इनका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	169	16,634	3,361	1,57,572
आमान परिवर्तन	29	3987	3,045	24,227
दोहरीकरण	316	19,379	6,177	1,23,454
कुल	514	40,000	12,583	3,05,253

सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

कर्नाटक:

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। कर्नाटक राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी निर्माण कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	835 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-27	7,748 करोड़ रु. (9 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएँ:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 2,935 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 10 दोहरीकरण), जिनकी लागत 49,272 करोड़ रु. है, स्वीकृत की गई हैं। इनका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक चालू की गई लाइन की लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2026 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	15	2,034	445	8,836
दोहरीकरण/ बहुपथन	10	901	301	4,562
कुल	25	2,935	746	13,398

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	कोत्तूर-हरिहर नई लाइन (65 किलोमीटर)	468
2	हासन-बेंगलूरु नई लाइन (167 किलोमीटर)	1,290
3	बीदर-गुलबर्गा नई लाइन (110 किलोमीटर)	1,543
4	शिवानी-होसदुर्ग सड़क दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	50
5	शिवानी-बिरुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	143
6	होसदुर्ग-चिकजाजुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	260
7	रामनगरम-मैसूरू कहीं-कहीं दोहरीकरण (94 किलोमीटर)	998
8	यलहंका-चन्नसंद्रा दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	108
9	यशवंतपुर-यलहंका दोहरीकरण (12 किलोमीटर)	95

10	नेत्रावती-मंगलूरू सेंट्रल दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	28
11	कनकनाडि-पनम्बूर दोहरीकरण (19 किलोमीटर)	350
12	अरसीकेरे-तुमकूर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	758
13	यलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 किलोमीटर)	1,104
14	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3,182
15	हुब्बलि-चिकजाजुर दोहरीकरण (190 किलोमीटर)	1,850
16	होटगी-गदग दोहरीकरण (284 कि.मी.)	2,459
17	पुणे-मिरज-लोंडा दोहरीकरण (466 कि.मी.)	6,464
18	जोकट्टे-तोकुर दोहरीकरण (2 कि.मी.)	102

चल रही परियोजनाएं:

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है, जिन्हें शुरू किया गया है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	मुनिराबाद - महबूबनगर नई लाइन (247 कि.मी.)	3,978
2	कडूरू - चिक्कमंगलूरू - सकलेशपुर नई लाइन (68 कि.मी.)	908
3	रायदुर्ग - तुमकूर बरास्ता कल्याणदुर्ग नई लाइन (207 कि.मी.)	4,565
4	बागलकोट - कुडची नई लाइन (142 कि.मी.)	1,694
5	तुमकूर - चित्रदुर्ग - दावणगेरे नई लाइन (182 कि.मी.)	2,142
6	मारिकुप्पम - कुप्पम नई लाइन (24 कि.मी.)	518
7	गदग - वाडी नई लाइन (257 कि.मी.)	3,668
8	शिमोगा - शिकारीपाड़ा - राणिबेन्नूर नई लाइन (96 कि.मी.)	994

9	हासन - बेलुड़ (समेकित कार्य) नई लाइन (32 कि.मी.)	749
10	धारवाड़ से बेलगाम बरास्ता कित्तूर नई लाइन (73 कि.मी.)	927
11	होसपेटे - हुब्बलि - लोंडा - तिनईघाट - वास्को-द-गामा दोहरीकरण (312 कि.मी.)	4,730
12	बैयप्पनहल्लि से होसुर दोहरीकरण (48 कि.मी.)	1,160
13	यशवंतपुर से चन्नसंद्रा दोहरीकरण (22 कि.मी.)	684
14	बल्लारि - चिकजाजुर दोहरीकरण (185 कि.मी.)	3,342
15	सिकंदराबाद (सनतनगर) - वाडी तीसरी और चौथी लाइन (173 कि.मी.)	5,012
16	बल्लारि - होसपेटे तीसरी और चौथी लाइन (65 कि.मी.)	2,372
17	गुंतकल - वाडी तीसरी और चौथी लाइन (230 कि.मी.)	4,758

भूमि अधिग्रहण के कारण लंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1	शिमोगा - राणिबेन्नुरू नई लाइन (96 किलोमीटर)	559	283	276
2	बेलगाम - धारवाड नई लाइन (73 किलोमीटर)	581	0	581
3	शिमोगा - हरिहर नई लाइन (79 किलोमीटर)	488	0	488
4	व्हाइटफील्ड - कोलार नई लाइन (53 किलोमीटर)	337	0	337
5	हासन - बेलुड़ नई लाइन (32 किलोमीटर)	206	0	206

कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण की स्थिति का सारांश इस प्रकार है:-

कर्नाटक में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	**10123 हेक्टेयर**
अधिग्रहित भूमि	**6,134 हेक्टेयर (61%)**
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	**3,989 हेक्टेयर (39%)**

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल इनकी सफलता कर्नाटक राज्य सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वानिकी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ**
- **क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों में शामिल है:

- **निधि के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।**
- **फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।**

- **विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।**
- **शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करना शामिल हैं।**

रेल विद्युतीकरण:

भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.6% विद्युतीकृत किया जा चुका है। शेष नेटवर्क का विद्युतीकरण कार्य शुरू हो गया है। वर्ष 2014-26 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण कार्य का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग कि.मी.
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-26	48,072

अब तक, कर्नाटक में, बड़ी लाइन का लगभग 96.8% विद्युतीकरण किया गया है। शेष खंड में विद्युतीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है।

स्टेशन पुनर्विकास:

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**

- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉनकोर्स की व्यवस्था**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था**
- **प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था**
- **पार्किंग क्षेत्र का विकास**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिसमें से 61 स्टेशन कर्नाटक में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत कर्नाटक में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
कर्नाटक	61	अलमट्टि, अलनावर, अर्सिकेरे जंक्शन, बादामी, बागलकोट, बल्लारि, बंगलूरु कैंट, बंगारपेट, बंटवाल, बेलागवी, बीदर, बीजापुर, चामराज नगर, चन्नापटना, चन्नासंद्रा, चिक्कमगलूरु, चिकोडी रोड, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, धारवाड़, डोडबल्लापुर, गदग, गंगापुर रोड, गंगावती, घाटप्रभा, गोकक रोड, गुब्बि, हरिहर, हासन, होसपेटे, कालाबुरगी जं, केंगेरी, कोप्पल, क्रान्तिवीर

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		संगोल्लि रायाण्ण (बंगलूरु स्टेशन), कृष्णराजपुरम, मल्लेश्वरम, मलूर, मांड्या, मैंगलोर सेंट्रल, मैंगलोर जंक्शन, मुनीराबाद, मैसूरू जं (मैसूर), रायचूर जं, रामनगरम, राणिबेन्नूर, रायबाग, सागर जंबागरू, सकलेशपुर, शाहाबाद, शिवमोगा टाउन, श्रवणबेलगोला, श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जंक्शन, सुब्रह्मण्य रोड, तालगुप्पा, तिपटूरू, तुमकुरु, उडुपि, विजयपुरा, वाडी, व्हाइटफ़ील्ड, यादगीर, यशवंतपुर

स्टेशन जहां कार्य पूरे हो चुके हैं:

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कर्नाटक राज्य में रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। कर्नाटक में पूरे किए गए स्टेशनों से संबंधित कार्य का विवरण निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
कर्नाटक	12	अलनावर, बादामी, बागलकोट, बंटवाल, धारवाड़, गडग, गोकक रोड, होसपेटे, कोप्पल, मुनीराबाद राणिबेन्नूर, सुब्रह्मण्य रोड

अन्य स्टेशनों पर भी विकास गतिविधियां अच्छी गति से शुरू की गयी हैं और उपर्युक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- **बेंगलुरू छावनी स्टेशन: दक्षिण की ओर नए डायवर्जन रोड, नए इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन और नए 5 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का कार्य पूरा हो चुका है। नए स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, एयर कॉनकोर्स, 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज, दक्षिण की ओर नया बेसमेंट, उत्तर और दक्षिण की ओर नए ओवरहेड टैंक का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **यशवंतपुर स्टेशन: पूर्व की ओर नई एलिवेटेड सड़क, पूर्व की ओर नया आगमन और प्रस्थान प्लाजा, पूर्व की ओर नया मल्टी लेवल कार पार्किंग (एमएलसीपी), नया विद्युत उप-स्टेशन, नया ओवरहेड टैंक और पूर्व की ओर नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य पूरा हो चुका है। पश्चिम की ओर नए स्टेशन भवन, नए एयर कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म शेल्टर, लिफ्ट, एस्केलेटर, पश्चिम की ओर नई एलिवेटेड सड़क, पश्चिम की ओर नया आगमन और प्रस्थान प्लाजा का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **सकलेशपुर स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश प्रांगण का विस्तार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, नया प्रतीक्षालय, नया शौचालय, नया बुकिंग कार्यालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार और मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म सतह, साइनेज, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं और लिफ्ट के सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **चित्रदुर्ग स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश प्रांगण, नया प्रतीक्षालय, नया शौचालय, नया बुकिंग कार्यालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का सुधार, दिव्यांगजनों के लिए पार्किंग और अन्य सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **दावणगेरे स्टेशन: प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, नया शौचालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालित हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज

लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। कर्नाटक राज्य पांच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् मध्य रेलवे, दक्षिण तट रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए पिछले तीन वित्तीय वर्ष और मौजूदा वित्त वर्ष के लिए 15,640 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) 13,402 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

रेलगाड़ी सेवाएँ:

चूंकि रेल नेटवर्क राज्य/जिला सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है, इसलिए रेलगाड़ियों का परिचालन और ठहराव ऐसी सीमाओं के आर-पार नेटवर्क आवश्यकताओं के अनुसार प्रदान किया जाता है।

बहरहाल, 2021-22 से 2026-27 (जून, 2026 तक) की अवधि के दौरान, कर्नाटक राज्य में स्थित स्टेशनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल ने आरंभिक/समाप्ति के आधार पर 66 जोड़ी (132 रेलगाड़ी सेवाएं) शुरू की हैं। इन्हें नीचे सूचीबद्ध किया गया हैं:

क्र.सं.	रेलगाड़ी सं. और नाम
1	10109/10110 मडगांव - कारवार एक्सप्रेस
2	11085/11086 एसएमवीटी बंगलूरु -ग्वालियर एक्सप्रेस
3	13433/13434 एसएमवीटी बंगलूरु - मालदा टाउन अमृत भारत एक्सप्रेस
4	16223/16224 एसएमवीटी बंगलूरु - राधिकापुर एक्सप्रेस
5	16313/16314 तिरुवनंतपुरम नॉर्थ-मंगलुरु जंक्शन अंत्योदय एक्सप्रेस
6	16329/16330 नागरकोविल- मंगलुरु जंक्शन अमृत भारत एक्सप्रेस

क्र.सं.	रेलगाड़ी सं. और नाम
7	16523/16524 एसएमवीटी बंगलूरु - बलुरघाट एक्सप्रेस
8	16539/16540 यशवंतपुर - मंगलुरु जंक्शन एक्सप्रेस
9	16547/16548 यशवंतपुर - विजयपुर एक्सप्रेस
10	16553/16554 एसएमवीटी बंगलूरु - लोकमान्य तिलक (टी) एक्सप्रेस
11	16555/16556 यशवंतपुर - तालगुप्पा एक्सप्रेस
12	16559/16560 एसएमवीटी बंगलूरु - बीदर एक्सप्रेस
13	16563/16564 बंगलूरु छावनी - कलबुरगि एक्सप्रेस
14	16577/16578 यशवंतपुर - बीदर एक्सप्रेस
15	16597/16598 एसएमवीटी बंगलूरु - अलीपुरद्वार अमृत भारत
16	16621/16622 रामेश्वरम - मंगलुरु सेंट्रल एक्सप्रेस
17	16707/16708 मंगलुरु जंक्शन - तिरुनेलवेली एक्सप्रेस
18	17071/17072 हैदराबाद - बेलगावि एक्सप्रेस
19	17073/17074 सिकंदराबाद - बेलगावि एक्सप्रेस
20	17075/17076 चर्लपल्ली - बेलगावि एक्सप्रेस
21	17289/17290 काकिनाडा टाउन- मैसूरु एक्सप्रेस
22	17327/17328 हुब्बल्लि - कुष्टगी एक्सप्रेस
23	17377/17378 विजयपुर - मंगलुरु सेंट्रल एक्सप्रेस
24	17423/17424 तिरुपति - चिक्कमगलूरु एक्सप्रेस
25	18063/18064 सांतरागाछी - यलहंका एक्सप्रेस
26	18509/18510 विशाखपट्टणम - एसएमवीटी बंगलूरु एक्सप्रेस

क्र.सं.	रेलगाड़ी सं. और नाम
27	19057/19058 सूरत - मंगलुरु जंक्शन एक्सप्रेस
28	20607/20608 एमजीआर चेन्नै सेंट्रल - मैसूरु वंदे भारत एक्सप्रेस
29	20641/20642 बंगलूरु छावनी- कोयमबत्तूर वंदे भारत एक्सप्रेस
30	20645/20646 मडगांव - मंगलुरु सेंट्रल वंदे भारत
31	20657/20658 एसएसएस हुब्बल्लि - हज़रत निजामुद्दीन एक्सप्रेस
32	20661/20662 केएसआर बंगलूरु- धारवाड वंदे भारत एक्सप्रेस
33	20663/20664 मैसूरु - एमजीआर चेन्नै सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस
34	20669/20670 हुब्बल्लि - पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस
35	20671/20672 मदुरै - बंगलूरु छावनी वंदे भारत एक्सप्रेस
36	20687/20688 हुब्बल्लि - केएसआर बंगलूरु एक्सप्रेस
37	20703/20704 काचीगुडा - यशवंतपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
38	22231/22232 कलबुरगि - एसएमवीटी बंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस
39	22305/22306 एसएमवीटी बंगलूरु - जसीडीह एक्सप्रेस
40	26651/26652 केएसआर बंगलूरु - एरणाकुलम जंक्शन वंदे भारत एक्सप्रेस
41	26751/26752 बेलगावि - केएसआर बंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस
42	51461/51462 बेलगावि - मिरज पैसेंजर
43	51463/51464 बेलगावि - मिरज पैसेंजर
44	56229/56230 केएसआर बंगलूरु - चन्नपट्टण पैसेंजर
45	56231/56232 मैसूरु - एसएमवीटी बंगलूरु पैसेंजर
46	56531/56532 यशवंतपुर - हिंदूपुर पैसेंजर

क्र.सं.	रेलगाड़ी सं. और नाम
47	56919/56920 हुब्बल्लि - विजयपुर पैसेंजर
48	66501/66502 हुब्बल्लि - विजयपुर मेमू
49	66525/66526 केएसआर बंगलूरु - हासन मेमू
50	66537/66538 बंगारपेट - एसएमवीटी बंगलूरु मेमू
51	66539/66540 केएसआर बंगलूरु - अशोकपुरम मेमू
52	66559/66560 यशवंतपुर - श्री सत्यसाई प्रशांति निलयम मेमू
53	66561/66562 तुमकूर - यशवंतपुर मेमू
54	66563/66564 यशवंतपुर - होसूर मेमू
55	66565/66566 बानसवाडि- तुमकूर मेमू
56	66575/66576 (पुराना नं. 76511/76512) बानसवाडि - तुमकूर डेमू
57	66577/66578 (पुराना नं. 76509/76510) तुमकूर - अरसीकेरे डेमू
58	66595/66596 यशवंतपुर - होसूर मेमू
59	66597/66598 केएसआर बंगलूरु - अशोकपुरम मेमू
60	67787/67788 काचीगुडा - रायचूर मेमू
61	76501/76502 अलनावर- दांडेली डेमू
62	76503/76504 अलनावर - दांडेली डेमू
63	76505/76506 अलनावर - दांडेली डेमू
64	76507/76508 होसपेटे - हुब्बल्लि डेमू
65	76509/76510 बल्लारि - दावणगेरे डेमू
66	76511/76512 होसपेटे - बल्लारि डेमू

इसके अलावा, किसी भी मार्ग/खंड पर अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं सहित रेल सेवाएं शुरू करना एक सतत प्रक्रिया है जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें शामिल हैं:

- **उक्त खंड की क्षमता**
- **मार्ग की उपलब्धता**
- **अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता**
- **चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता**
- **रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों की अनुरक्षण संबंधी आवश्यकता।**
- **खंड की अधिभोगिता और यातायात आवश्यकता।**

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी):

कर्नाटक राज्य में कमीशन किए गए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल और अतिरिक्त सैद्धांतिक अनुमोदन (आईपीए) का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	राज्य का नाम	अब तक कमीशन किए गए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल	दिए गए अतिरिक्त सैद्धांतिक अनुमोदन (आईपीए)
1	कर्नाटक	04	18

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल सीमेंट, स्टील, खाद्यान्न, उर्वरक, कोयला, फ्लाई ऐश, खनिज, कंटेनर, ऑटोमोबाइल, कृषि उपज और अन्य थोक के साथ-साथ गैर-थोक वस्तुओं सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इस नीति ने बेहतर रेल संपर्क और आधुनिक कार्गो सम्लहाई अवसंरचना प्रदान कर सीमेंट, इस्पात, बिजली, खनन, कृषि, लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों को लाभान्वित किया है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल के विकास ने तीव्र और अधिक कुशल लदान/उतराई के माध्यम से रेल माल ढुलाई आवाजाही को बढ़ाया है, प्रथम-मील और अंतिम-मील लॉजिस्टिक्स लागत को कम किया है, वैगन टर्नअराउंड में सुधार किया है, और माल

ढुलाई को सड़क से रेल में मोडल शिफ्ट की सुविधा प्रदान की है, जिससे रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स की समग्र दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हुआ है।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल नीति ने उत्पादन और खपत केंद्रों के निकट आधुनिक मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनलों के विकास को सुगम बनाया है, जिससे स्थानीय उद्योगों, कृषि उत्पादों और अन्य वस्तुओं के लिए रेल संपर्क में सुधार हुआ है। इस नीति ने भण्डारण, साइलो, शीत भण्डारण और अन्य मूल्य वर्धित लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के सृजन को सक्षम किया है। इससे स्थानीय उद्योगों और किसानों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ी है, साथ ही रोजगार सृजन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है।

****